भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-355

दिनांक 19 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

ताप विद्युत परियोजनाओं की क्षमता

***355. श्री महेश कश्यपः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2024 के आम चुनाव और नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद पहले सौ दिनों में आरंभ की गई ताप विद्युत परियोजनाओं की कुल क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विद्युत की मांग को पूरा करने के लिए ताप विद्युत परियोजनाओं की क्षमता बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्री
(श्री मनोहर लाल)

(क) से (ग) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

ताप विद्युत परियोजनाओं की क्षमता के संबंध में दिनांक 19.12.2024 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 355 के संबंध में भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): वर्तमान सरकार के पहले 100 दिनों के दौरान, 6400 मेगावाट ताप विद्युत क्षमता के कार्यान्वयन के लिए कान्ट्रेक्ट अवार्ड किए गए। विवरण निम्नानुसार है:

क्रम सं.	**परियोजना का नाम**	**विकासकर्ता**	**क्षमता**	**राज्य**	**अवार्ड करने की तिथि**
1.	कोडरमा टीपीपी	दामोदर घाटी निगम	1600 मेगावाट	झारखंड	26.07.2024
2.	महान ऊर्जा टीपीपी	अडानी पावर लिमिटेड	1600 मेगावाट	मध्य प्रदेश	26.08.2024
3.	कवाई टीपीपी	अडानी पावर लिमिटेड	3200 मेगावाट	राजस्थान	26.08.2024
कुल			**6400 मेगावाट**		

(ख) और (ग): वर्ष 2031-32 तक अनुमानित विद्युत मांग को पूरा करने के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा उत्पादन नियोजन अध्ययन किया गया है। अध्ययन के परिणामों के अनुसार, यह परिकल्पना की गई है कि वर्ष 2032 में देश की बेस लोड आवश्यकता को पूरा करने के लिए, आवश्यक कोयला एवं लिग्नाइट आधारित संस्थापित क्षमता दिनांक 30.11.2024 तक वर्तमान संस्थापित क्षमता 217.5 गीगावाट के निमित्त 283 गीगावाट होगी। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने वर्ष 2031-32 तक अतिरिक्त न्यूनतम 80 गीगावाट कोयला आधारित क्षमता स्थापित करने की परिकल्पना की है। इस लक्ष्य के निमित्त, 29,200 मेगावाट ताप क्षमता (कोयला एवं लिग्नाइट आधारित) निर्माणाधीन है और वित्त वर्ष 2024-25 में 19,200 मेगावाट ताप क्षमता के लिए कान्ट्रेक्ट अवार्ड किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 36,320 मेगावाट कोयला और लिग्नाइट आधारित संभावित क्षमता चिन्हित की गई है, जो देश में नियोजन के विभिन्न चरणों में है।

******